



भारत का राजपत्र The Gazette of India



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 376]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 30, 1978/पौष 9, 1900

No. 376]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 30, 1978/PAUSA 9, 1900

इस भाग में जिस पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

(कर्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर, 1978

सा० का० नि० 598 (घ) :—भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 7 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, सम्बद्ध राज्य सरकारों और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के बाद, भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विधियुक्त बनाती है, अर्थात् :—

- 1 (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) द्वितीय संशोधन विनियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 में :—

- (1) विनियम 2 में, विद्यमान खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) ‘परीक्षा’ से ऐसी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है जो सेवा में भर्ती के लिए नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन ली जाती है और जिसमें एक प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा है और इसके अन्तर्गत इस सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं

में जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे, भर्ती के लिए सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा भी है।”

- (2) विनियम 4 में, उप विनियम (2) में, विद्यमान अंक “26” के स्थान पर अंक “28” रखे जाएंगे।
- (3) विनियम 4 में, उप विनियम (3) में, विद्यमान परन्तुक (ख) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—परन्तु यह और कि ऐसे अभ्यर्थी अपनी उपाधि के लिए अध्ययन कर रहा है, प्रारम्भिक परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा दी जा सकती है किन्तु यह तब जब वह उसी वर्ष को अन्तिम परीक्षा में बैठने का पात्र होने के लिए उपाधि पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आयोग द्वारा अधिसूचित तारीख तक प्रस्तुत कर दे।
- (4) विनियम 4 में, विद्यमान उप विनियम (3-क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3-क) परीक्षा में बैठने के अवसर :—केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर अधिसूचित किन्हीं अपवादों के अधीन रहते हुए, 1 जनवरी, 1979 के बाद उक्त परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को, जो अन्यथा पात्र है, उक्त परीक्षा में बैठने के लिए तीन अवसर दिए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—यदि कोई अभ्यर्थी प्रारम्भिक परीक्षा में बैठता है तो उसके बारे में इन नियमों के अर्थ में यह समझा जाएगा कि वह परीक्षा में बैठा है।”

[सं० 11028/1/78-प्र० भा० से० (1) -क]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Department of Personnel and Administrative Reforms)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th December, 1978

G.S.R. 598(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 7 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules 1954, the Central Government, after consultation with the State Governments concerned and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Examination) Second Amendment Regulations, 1978.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955,—

- (1) in regulation 2, for the existing clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—

“(c) ‘examination’ means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination for recruitment to the Service held under sub-rule (1) of rule 7 of the recruitment rules and included a combined competitive examination for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Central Government from time to time”;

- (2) in regulation 4, for the existing figures “26”, in sub-regulation (ii), the figures “28” shall be substituted;
- (3) in regulation 4, after the existing proviso (b), in sub-regulation (iii) the following proviso shall be inserted namely :—

“Provided further that a candidate may be permitted to take the preliminary examination while studying for his degree so long as, by a date to be notified by the Commission, the candidate produces proof of pass in the degree course for being eligible to take the final examination during that year”;

- (4) in regulation 4, for the existing sub-regulation (iii-a), the following shall be substituted, namely :—

“(iii-a) Attempts at the examination.—Unless covered by any of the exceptions that may from time to time be notified by the Central Government in this behalf, every candidate appearing for the examination after 1st January 1979, who is otherwise eligible, shall be permitted three attempts at the examination;

Explanation.—An attempt at a preliminary examination shall be deemed to be an attempt at the examination, within the meaning of this rule”.

[No. 11028/1/78-AIS(1)-A]

सां.कां.निं. 599(अ).—भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 7 के साथ पठित श्रद्धाल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, सम्बन्धित राज्य सरकारों और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के बाद, भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) द्वितीय संशोधन विनियम, 1978 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) 1955 में :—

- (1) विनियम 2 में, विद्यमान खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) ‘परीक्षा’ से ऐसी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है जो सेवा में भर्ती के लिए नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन ली जाती है और जिसमें एक प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा है और इसके अन्तर्गत इस सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं में, जो समय समय पर, केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे, भर्ती के लिए सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा भी है।”

- (2) विनियम 4 में, उप विनियम (2) में विद्यमान अंक “20” और “26” के स्थान पर अंक “21” और “28” रखे जाएंगे।

- (3) विनियम 4 में, उप विनियम (3) में, विद्यमान परन्तुक (ख) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु यह और कि ऐसे अभ्यर्थी अपनी उपाधि के लिए अध्ययन कर रहा है, प्रारम्भिक परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा दी जा सकती है किन्तु यह तब जब वह उसी वर्ष की अन्तिम परीक्षा में बैठने का पात्र होने के लिए उपाधि पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आयोग द्वारा अधिसूचित तारीख तक प्रस्तुत कर दे।

- (4) विनियम 4 में, विद्यमान उप विनियम (3-क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3-क) परीक्षा में बैठने के अवसर :—केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर अधिसूचित किन्हीं अपवादों के अधीन रहते हुए, जनवरी, 1979 के बाद उक्त परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को, जो अभ्यर्था पात्र है, उक्त परीक्षा में बैठने के लिए तीन अवसर दिए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—यदि कोई अभ्यर्थी प्रारम्भिक परीक्षा में बैठता है तो उसके बारे में, इन नियमों के अर्थ में यह समझा जाएगा कि वह परीक्षा में बैठा है।”

[सं० 11028/1/78-अ० भा० से० (1)-ख]

टी० बी० रमन, संयुक्त सचिव

G.S.R. 599(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 7 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954 the Central Government, after consultation with the State Governments concerned and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Second Amendment Regulations, 1978.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955,—

- (1) in regulation 2, for the existing clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—

“(c) ‘examination’ means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination for recruitment to the service held under sub-rule (1) of rule 7 of the recruitment rules and includes a combined competitive

examination for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Central Government from time to time;"

- (2) in regulation 4, for the existing figures "20" and "26" in sub-regulation (ii), the figures "21" and "28" shall be substituted;

- (3) in regulation 4, after the existing proviso (b) in sub-regulation (iii), the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that a candidate may be permitted to take the preliminary examination while studying for his degree so long as, by a date to be notified by the Commission, the candidate produces proof of pass in the degree course for being eligible to take the final examination during that year".

- (4) in regulation 4, for existing sub-regulation (iii-a), the following shall be substituted, namely :—

"(iii-a) Attempts at the examination.—Unless covered by any of the exceptions that may from time to time be notified by the Central Government in this behalf, every candidate appearing for the examination after 1st January 1979, who is otherwise eligible, shall be permitted three attempts at the examination;

Explanation.—An attempt at a preliminary examination shall be deemed to be an attempt at the examination, within the meaning of this rule".

[No. 11028/1/78-AIS(I)-B]

T. V. RAMANAN, Jt. Secy.

